an>

Title: Need to issue coin to mark the importance of Swarna Mandir, Amritsar.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) : महोदया, इस देश में सिख पंथ की अपनी एक गौरवशाली परंपरा और इतिहास है। देश की हमारी जो संस्कृति है और जो सनातन परंपरा है, इसे बचाने में भी बहुत बड़ी संख्या में शूरवीन सिखों ने अपना बलिदान दिया है। देश की आज़ादी से लेकर आज तक भारत के निर्माण में भी सिख समुदाय का बहुत बड़ा योगदान है।

महोदया, इसी सिख समुदाय की आस्था और श्रद्धा का सबसे बड़ा केन्द्र स्वर्ण मंदिर, अमृतसर है। वहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक लोग लंगर का प्रसाद ग्रहण करते हैं जिसके कारण वह दुनिया की सबसे बड़ी रसोई भी मानी जाती है।

महोदया, सिख समुदाय के द्वारा स्वर्ण मंदिर के नाम पर संस्मरण सिक्का ढलवाने की मांग की जा रही है। इस संदर्भ में, गुरु नानक दरबार, जबलपुर ने भारत सरकार के टकसाल से ऐसे सिक्के ढालने की मांग की है। भारत सरकार की जो टकसाल है, इसके पास कई तरह के संस्मरण सिक्के ढालने की मांग आती है और मांग के अनुसार टकसाल सिक्के ढालती है, जिसमें एक ओर भारत सरकार की मुहर होती है और दूसरी ओर संबंधित नाम होता है। सिख समुदाय भारत सरकार की मुहर के दूसरी तरफ स्वर्ण मंदिर, अमृतसर की फोटो अंकित करवाना चाहता है। पर्याप्त मात्रा में इन सिक्कों की ढलाई हो, इसकी मांग को भी सिख समुदाय सुनिश्चित करेगा।

महोदया, जो क्वायनेज एक्ट है, उसमें भी इसका प्रावधान है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह मांग है कि वह ऐसे सिक्के ढालने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का कष्ट करे।